आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्टों के लिए पेंशन

4843. **श्री भवाब सिंह चौहान** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्टो को पेंशन न दिये जाने के क्या कारण हैं, और

(ग) क्या सरकार का विचार नियमों में संशोधन करके सभी कर्मचारियों को पेंशन देने की नीति अपनाने का है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) पेंशन उन सरकारी कर्मचारियों को देय है जो नियमो के अधीन सेवानिवृत्ति के समय किसी स्थायी पद को स्थायी तौर पर धारण किए हुए हों और जिनकी अर्हक सेवा दस वर्ष से कम न हो। आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्ट चूंकि ठेके पर काम करने वाले कर्मचारी हैं, वे पेंशन के हकदार नहीं है । तथापि, वे अंशदायी भविष्य निधि के लाभों के हकदार हैं । कतिपय शर्तों के अंतर्गत अंशदायी भविष्य निधि के लाभों के अतिरिक्त उन्हे ग्रेच्यूटी भी दी जाती है ।

(ख) इस प्रकार का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है ।

Licences for Radios

4844. SHRIHALIMUDDIN AHMED: Willthe Minister of INFORMATION AND BRODCASTING be pleased to state the total number of Radio licences in the year 1977-78 and the total number out of that which were renewed in 1979--80 thereof ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): The figures of radio/TV licences are compled on the basis of clndaar for year and not financ al year. The figures the year 1978 are being compiled.

2. The total number of licences both for radio and TV as on the 31st December 1977 was 2,30,69,706. The number of licences renewed on that date is 2,07,73,068. Out of this the number of radio licences renewed is 2,00,96,453.

शिवाजी, महात्मा फूले, विश्वेश्वर, महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डा० अम्बेडकर की जीवनियों का प्रकाशन

4845. **श्री केशवराव धोंडगे** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार छत्रपति शिवाजी, महात्मा फूले, महात्मा विश्वेश्वर, महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और बाबा साहेब अम्बेडकर की जीवनियां देश की सभी भाषाओं में प्रकाशित करने सम्बन्धी योजना पर सरकार विचार कर रही है ;

(ख) क्या उनका साहित्य देश की सभी भाषाओ मे प्रकाशित करने की योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(ग) यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल-कृष्ण आडवाणी) : (क) प्रकाशन विभाग ने, 'बिल्डर्स आफ माडर्न इंडिया' के अन्तर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा डा० बी० आर० अम्बेदकर की जीवनियां अंग्रेजी में प्रकाशित की है । इन जीवनियों के हिन्दी संस्करण तैयार किए जा रहे है । 'भारतीय इतिहास के निर्माता' पुस्तकमाला के अंतर्गत छत्रपति शिवाजी तथा महाराणा प्रताप पर हिन्दी में संक्षिप्त जीवन चरित्र प्रकाशित किए गए है ।

नेशनल बुक ट्रस्ट भी अपनी राष्ट्रीय जीवन चरित्रमाला के अंतर्गत सुप्रसिद्ध भारतीयों की संक्षिप्त जीवनियां प्रकाशित करता है । उन्होंने इस पुस्तकमाला मे हिन्दी में महाराणा प्रताप का जीवन चरित्र प्रकाशित किया है । उन्होने अपनी "यंग इंडिया लाइब्रेरी" पुस्तकमाला मे अंग्रेजी, हिन्दी, मराठी, असमिया, उर्दू तथा पंजाबी मे आई० एन० ए० पर एक पुस्तक निकाली है जिसमें नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन और संघर्ष पर प्रकाश डाला गया है । राष्ट्रीय जीवन चरित्र माला में डा० बी० आर० अम्बेदकर की एक जीवनी तैयार की जा रही है । वे इस माला के अंतर्गत छत्रपति शिवाजी, महात्मा फूले तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जीवनियां प्रकाशित करने पर भी विचार कर रहे है । फिलहाल, महात्मा विश्वेश्वर की जीवनी प्रकाशित करने का कोई प्रस्ताव नही है ।

(ख) और (ग). सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ऐसी कोई योजना नहीं है, मुख्यतया, संसाधनों की कमी के कारण । तथापि, शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय एक स्वैच्छिक संगठन से प्राप्त एक प्रस्ताव जिसमें उस संगठन को सम्पूर्ण नेताजी वाङ्मय प्रकाशित करने के लिए आर्थिक सहायता देने की बात पर विचार कर रहा है ।

Import of Crude and Increase of foreign Exchange

4846. SHRI K. PRADHANI : Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India is not only finding it difficult to meet its full requirements during the current year but will have to pay much more for its crude imports than last year,

(b) whether it is a fact that Iraq has agreed to give more than double its supply this year; and

(c) if so, the details regarding the arrangements made by Government to meet the demands in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI NARSINGH YADAV): (a) Yes Sir.

(b) The annual contract with Iraq for the year 1978 provided for crude oil supplies to the extent of 3·275 million tonnes. As compared with this a firm contret covering supplies of 5·5 million tonnes of crude oil from Iraq during 1979 has already been concluded. In addition, Iraq has promised to make best endeavours to supply an additional one million tonnes of crude oil during the year depending upon availability. In fact a quantity of 350,000 tonnes would be supplied during the period January-March 1979 against this stipulation relating to additional supplies.

(c) After taking into account indigenous crude availability of around 13·15 million tonnes, the requirements of imported crude oil during 1979 are anticipated to be of the order of 16·5 million tonnes The following import arrangements have been firmed up so far:—

(Qty. In Million tonnes)

Country	
Iraq	5·5
UAE	1·5
Saudi Arabia . . .	3·0
U.S.S.R.	1·5

In addition additional crude imports to the extent of approximately 1·2 million tonnes during the period January-March, 1979 have been orgaised from the National Oil Companies of Iraq and Quater over and above the supplies from Iraq under the long term contract. Further arrangements for covering the remaining requirements of imported crude oil are under different stages of negotiations.

Release of Advertsement by D.A.V.P.

4847. PROF. P. G. MAVALANKAR : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether D.A.V.P. released any advertisements to small and districteg papers and also to specified journals and study periodicals during the years 1977 and 1978;